ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS
321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 41 **03/2019-20** **MONTHLY** **March 2019**

Dates for your diary
(Festivals celebrated at Arya Samaj Bhavan)

Festival	Date	Time
Holi	Sunday 24th March 2019	11am – 1pm
Arya Samaj Foundation Day	Sunday 7th April 2019	11am – 1pm
Ram Navmi	Sunday 14th April 2019	11am-1pm

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Website - www.arya-samaj.org
E-mail – enquiries@arya-samaj.org

Charity registration number 1156785

facebook https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj 3

Vedas are Authority in Doubt - By Mr Krishan Chopra 4

आर्य समाज एक परिचय-४ - आचार्य डॉ. उमेश यादव 6

Venue Hire Advert 9

वसन्त पँचमी महोत्सव-एक विवरण - १०.०२.२०१९-रविवार
आचार्य डॉ. उमेश यादव 10

Republic Day of India Celebrated on 27th January 2019
Mrs B B Duggal 15

Matrimonial Service information 18

News (पारिवारिक समाचार) 19

New Building Refurbishment Fund 22

Yoga Classes & Indian Classical Dance 23

For General and Matrimonial Enquiries
Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org

10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**

2. **God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**

4. **All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**

10. **In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

Vedas are Authority in Doubt

Anapta ye vah Prathama yani karmani cakrire l_viran no atra ma dabhan tad va etat puro dadhe ll

अनाप्ता ये व: प्रथमा यानि कर्माणि चक्रिरे । वीरान् नो अत्र मा दभान् तद् व एतत् पुरो दधे ॥ अथर्व वेद: ५.६.२

Athrva Veda 5.6.2

Meaning in Text Order

Anapatah = ignorants
Ye = those
Vah = your
Prathmah= predecesors
Yani = which
Karmani = actions
Cakrire = done,
Viran = brave off springs
Nah = our
Atra = here
Ma = do not
Dabhan = harm
Tat = that
Vah= you
Etat = knowledge of Vedas
Purah = before you
Dadhe = I establish.

Meaning

O men! The actions performed by our ignorant ancestors, they may not harm our heroes. Therefore I place the teachings of the Vedas for your guidance.

Contemplation

Lord Krisna in Bhagvad Gita inspired Arjuna - It is not appropriate for society to relinquish your duty for fighting. If you will not follow the duty of a warrior then you are setting an example for coming generations to ignore their duty. It is the nature of society to follow the ancestors.

There were ignorant and wise people among our ancestors. Where the wise people did follow the teachings of the Vedas and acted accordingly while the ignorant ancestors had committed the actions of low category which were unwanted and undesired by the scriptures. At times, they were involved in killing of learned, untruth speech, gambling, deceit, acting against friends and interest of nation. Some of them considered to be famous people and some of their actions have made them to be known as wise men. It might happen that our coming generations, considering them as wise people, follow their unworthy actions blindly. Therefore it is paramount that some type of knowledge which guide them on the right path is essential. Therefore I place the scripture of the Vedas for your coming generations.

Whenever, there is any doubt about the conduct of ancestors then they should read the Vedas or ask the learned persons of Vedas for their opinion. If future generation will respect the Vedas and keep them in esteem, definitely their life will be sublime and they will be well guided throughout the life.

By Mr Krishan Chopra

आर्य समाज एक परिचय-४

आचार्य डॉ. उमेश यादव

आर्य समाज के आवश्यक व्यावहारिक सिद्धान्त

ईश्वर का अवतार

आर्य समाज ईश्वर का अवतार नहीं मानता । ईश्वर एक है जो सर्वव्यापक है । संसार चलाने के लिये उसे कोई शरीर धारण करने की जरुरत नहीं है । स पर्यगात् ..शुक्रमकायमब्रणं शुद्धमपापविद्धम्..... यजुर्वेद ४०.८ महर्षि दयानन्द भाष्य- के अनुसार ईश्वर पूर्व से ही सर्वत्र विद्यमान् होता है । विना शरीर का तथा नस-नाड़ियों से सर्वथा मुक्त होता है । संसार को अपनी सर्वज्ञता, सर्वव्यापकता व सर्वशक्तित्तमता गुण से बनाता है, चलाता है व संहार भी करता है । सब मनुष्यों व प्राणियों को कर्मफल भी न्याययुक्त होकर प्रदान करता है ।

तीर्थ-विचार

जलों में वा जल-स्थल, मेला-बाजार आदि, मन्दिर, मठादि ये सब तीर्थ नहीं

हैं । सत्य का आचरण, इन्द्रिय-निग्रह, परोपकार, दया आदि ही सच्चे तीर्थ हैं । माता-पिता की सेवा व परिवार में परस्पर प्यार रखना भी तीर्थ है । बड़ों का आदर करना व सब से स्नेह बना के रहना तीर्थ है । विना भेद भाव के जीने की समझ तीर्थ है । सज्ज्ञान ही सच्चा तीर्थ है जो आपको सच्चे मार्ग पर ले जाकर अपार दु:खों से तारता है । अत: वेदाध्ययन व सत्य ज्ञान ग्रहण सर्वोत्तम तीर्थ है । सत्संग-स्वाध्याय, शुभ चिन्तन व शुभ कार्य अपने आप में सत्य तीर्थ है ।

प्रारब्ध व पुरुषार्थ

प्रारब्ध एक कर्म का फल है और पुरुषार्थ अपने आप में कर्म । अत: पुरुषार्थ आवश्यक है । विना पुरुषार्थ के प्रारब्ध नहीं बनता । क्रियमान, संचित व प्रारब्ध कर्म के तीन भेद हैं । वर्त्तमान, भूत व भविष्यत् के कर्म फल को ही क्रियमान्, संचित व प्रारब्ध फल कहते हैं । कुछ कर्म वर्त्तमान के क्रियमान हैं जिसका फल साथ-साथ मिलता जाता है । कुछ संचित जो भूतकाल में कर्म किया है और उसका फल अब मिल रहा है और कुछ कर्म प्रारब्ध जो भाग्य भी कहलाता है; पिछे किये का एवं जो कर रहे हैं, उसका भविष्य में यहाँ तक कि जन्म-जन्मान्तर में मिलने वाला फल ही प्रारब्ध है । अत: कर्म और कर्म फल सदैव जीवन में जुड़े रहेंगे ।

जीव की सवतंत्रता व परतंत्रता

जीव कर्म करने में स्वतंत्र है पर कर्मफल भोगने में ईश्वराधीन है अर्थात् परतंत्र है । पाप-पुण्यों के फल दाता परम न्यायशील परमात्मा है । सांसारिक जेलों में तो दंड-विधान में कमी-बेसी सम्भव है पर परमेश्वर के

न्यायालय में पूर्ण न्याय ही मिलता है क्यों कि परमेश्वर सर्वज्ञ है ; कभी कोई गलती या कमी नहीं करता ।

मुक्ति

मुक्ति एक आनन्दावस्था है । इसका भी एक काल है पर अत्यन्त लम्बा । यह अपने के श्रेष्ठ कर्मों से ही मिलती है । बनावटी गुरुओं, स्वामियों तथा विचौलियों के माध्यम की जरुरत नहीं है । हाँ, श्रेष्ठ विद्वान् सदाचारी, धर्मात्मा, आचार्य, ऋषि व महर्षि सत्य ज्ञान के प्रचारक होते हैं; उनसे मिल के सज्ज्ञान सीखना और तदनुसार आचरण व कर्म करना निश्चित रुप से मुक्ति पाने में सहायक होगा । पर हमें झूट् ठे गुरुओं से सदा ही बचना है जो केवल गुरुडम , अन्धविश्वास व आडम्बर में ही भोली-भाली जनता को फंसाने में सतत लगे रहते हैं ।

ईश्वर व पुत्र

समस्त प्राणी एक ही प्रभु की संतान हैं । सब एक-दूसरे को वैसे ही प्यार करो जैसे गौ अपने नवजात बछड़े को करती है । नि:स्वार्थ प्यार ही सच्चा प्यार है । सबमें भाई-चारा हो । शुद्ध भाव से सब आपस में व्यवहार करें । ईर्ष्या-द्वेष लेशमात्र भी न हो ।

गोपालन व राष्ट्र रक्षा

गोपालन व राष्ट्र रक्षा आर्य समाज का मुख्य कर्त्तव्य है । जो भाई इस कर्त्तव्य से भूल चुके हैं ; उन्हें पुन: शुद्ध कर इस भाव-धारा में लाना आर्य समाज अपना कर्त्तव्य समझता है । यही श्रेष्ठ मानव धर्म है ।

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Newly Refurbished Venue Hire

Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.

<u>Venue Information</u>:

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
- **Function/Dining Hall With Stage**
- **Yajna Shala (Havan Room)**
- **Kitchen Facilities**
- **On site cleaner**
- **Parking for events**
- **Hindu Priest Service**

Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.

For more informatiom or viewings please call us on
0121 359 7727
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed

- **Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol**

वसन्त पँचमी महोत्सव-एक विवरण

१०.०२.२०१९-रविवार

वसन्त का वातावरण-माघ मास से ही वसन्त की बहार शुरु हो जाती है । आर्यावर्त्त अर्थात् भारतवर्ष को यह सौभाग्य प्राप्त है कि वहाँ सारी ऋतुयें समय से आती हैं और समय पर ही परिवर्त्तन होती हैं । सब ऋतुयें अपना-अपना प्रभाव भी पूरजोर दिखाती हैं । वसन्त भी माघ, फाल्गुण, चैत्र व वैशाख चार मास का है । सब जगह नये पते, नये फूल जैसे गेंदे, गुल्दौदी, पंचरंग, गुलाब, टेसु, श्वेत कुन्द, कमल आदि सब कुसुमाकर खिल उठते हैं । चारों ओर हरियाली व जन-मानस में भी प्रसन्नता, सूर्य के प्रकाश, चन्द्र की चांदनी, वृक्ष-वनस्पति सब रुह-चुह हो जाते हैं ।

सरस्वती की उपासना- सरस्वती शब्द का वैदिक अर्थ है- ज्ञान/विद्या/ नदी/प्रवाह इत्यादि । ज्ञान के अजस्र श्रोत ईश्वर का एक नाम सरस्वती भी है । ज्ञानवाली परम शक्ति परमेश्वरी विद्या देवी माँ सरस्वती । वैदिक काल में यही ईश्वरी ज्ञानस्रोत सरस्वती माँ की उपासना होती थी । ईश्वरीय उपासना ही सरस्वती उपासना है । वेदों में अनेक ऐसे मंत्र हैं जिनमें ज्ञान/विद्या की महिमा बतायी गयी है जिसका आदि मूल परमात्मा है, इसकारण ही आर्य समाज का प्रथम नियम में महर्षि दयानन्द सरस्वती ने स्पष्ट लिखा कि "सब सत्य विद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जते हैं, उन सब का आदि मूल परमेश्वर है ।" संन्यासी गण भी अपना उपनाम (सर्नेम) सरस्वती ही लिखते हैं, जैसे- स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती । संन्यासी गण भी ज्ञान के भण्डार ही होते हैं अपनी सीमा में । अत: यह यह पर्व उन सब ज्ञानशील संन्यासियों, आचार्यों,

विद्वानों के सम्मान में मनाया जाता है जो विश्व के मानसजनों को सद्विद्या के मार्ग पर चलने हेतु जागृत करते हैं । इस मास की पूर्णिमा पर भी यह पर्व कहीं-कहीं मनाया जाता है । पर हमें इसकी गरिमा का ध्यान होना चाहिये न कि इस पर्व द्वारा गुरुडम, अन्धविश्वास, अन्धभक्ति व अन्धपूजा की परम्परा चल जाये । आर्य समाज इसका पूरा सैद्धन्तिक ध्यान रखता है और यज्ञ, योग व सद्वैदिक ज्ञान का प्रचार कर जनमानस को सच्चे ढंग से सरस्वती-मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है ।

सरस्वती-जयन्ती/पूजा- ऐसा माना जाता है कि कालान्तर में बंगाल-बिहार के मध्य भाग में सरस्वती नामक एक कन्या पैदा हुई थी जो वेदों की विदुषी बनी । वैदिक स्वरों पर गायन, वादन व नृत्य विद्या में निपुणता हासिल की । उन प्रान्तों में उसी सरस्वती की जयन्ती माघ पंचमी अर्थात वसन्त पंचमी को लोग बड़ी श्रद्धा व हर्ष से मनाया करते हैं । आज तो यह जयन्ती मन्दिरों में पूजा का स्थान ले लिया अत: अब इसे लोग सरस्वती पूजा के नाम से जानने लगे ।

षाढी अन्न- इस समय सरसों के फूल उभर जाते हैं जो आषाढ़ में फल पककर खेत -खलिहानों में आते हैं । अलसी, चने, और कुछ अन्य दाल भी आते हैं । किसान खुश होते हैं । किसानों के द्वारा सब खुश हो जाते हैं क्योंकि सब को अन्न मिलता है । इसलिये इस दिन षाढी पूजा अर्थात् इनसे बने पकवान से यज्ञ भी किये जाने की परम्परा थी और आज भी है ।

प्रेम भाव- पर्व- वसन्त ऋतु प्रेमांकुर का सहायक ऋतु मान्य है । नानाविद्ध हरियाली, प्रचुर प्रकाश, जल के हल्के फ़ब्बारे, मलयागिरि की सुगन्धि,

ठंढी-गरम हवा, भिन्न-भिन्न कुसुमाकर, सरसों के पिले वाग, भौरों के गूँजन, आम के मोजर, महुआ का आना आदि अनेक प्राकृतिक सौन्दर्य के अचानक एक साथ उभर जाने से मानस हृदय में भी परस्पर प्रेमांकुर उपज जते हैं । यह स्वाभविक ही हैं फलत: सभी स्त्री-पुरुष सभी रिस्तों में प्रेम भाव से मिलते हैं, खेलते हैं, गाते हैं और नाचते हैं । होली आदि गायन व पर्व को मनाना भी इसी भाव की उपज का कारण है । होली पर नव सस्य अर्थात् तेल व दलहन अन्न की प्राप्ति के कारण "नव सस्येष्टि यज्ञ/पर्व भी कहा जाता है; जो वसन्त का ही एक हिस्सा है और अभी २०-२१ मार्च को आने वाला है । नानाविद्ध रंग-अबीर, पुष्प, सर्बत, पकवान, गायन, वादन व नृत्य की साज लिये यह होली पर्व अत्यन्त रमणीय तरीके से मनाया जाता है । यह सब वैज्ञानिक विचार जो वसन्त ऋतु से जुड़े हैं, उन पर अपने प्रवचन में आचार्यश्री उमेश जी ने विस्तार से प्रकाश डाला । इन्हीं सब भावों से जुड़ी स्व रचित एक मनोहर कविता का गान भी आचार्य जी ने किया । वसन्तमहिमा की एक कविता श्रीमती विभा केल ने भी सुनाई । विणा वादिनी की चन्द पंक्तियाँ श्रीमती मिनु अगरवाल और श्रीमती चंचल जैन ने भी गायीं ।

यजमान- इस उत्सव का यजमान स्पोंसर श्री विजय कुमार हर्फ़ व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा बने । साथ में उनका पुत्र वीर ने भी आहुतियां दीं । श्री विजय जी की सासु माँ समेत उनके द्वारा आमन्त्रित लगभग ४० अतिथि आये और कुछ आर्य समाज के नियमित आने वाले लोग भी सम्मिलित हुये जिसमें श्री रवीन्दर रेणुकोंटा, श्रीमती विभा केल, श्री वेद प्रकाश रावल आदि प्रमुख थे ।

विजय जी का उद्‌वोधन- यजमान व ट्रस्टी के नाते उन्होंने सब का अपने उद्‌वोधन में धन्यवाद किया । संस्था के प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार , डॉ. उमेश कथुरिया व डॉ. पी.डी. गुप्ता जो होलीडे पर थे; उनको हृदय से याद किया और उनके प्रति वसन्त पंचमी पर प्रेम भाव प्रकट किया । सारी संगत को वैदिक परम्परा से जुड़ने हेतु प्रेरणा दी और आचार्य डॉ. उमेश जी को भी हार्दिक रुप से अभिनन्दित किया ।

सबने मिलकर आरती व शांति-पाठ किया । मंत्रोचारण के साथ जयघोष व फिर सामुहिक प्रीति-भोज किया गया जो श्री विजय कुमार हर्फ़ व परिवार द्‌वारा आयोजित था ।

आचार्य डॉ. उमेश यादव

ओ३म्

वसंत की वहार

आचार्य डॉ. उमेश यादव

वसंत की वहार आयी, वसंत की वहार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

आम की मोजरिया में, खुशबू कहाँ से आयी ?
पवन में सुगन्धि भर गयी, जल में भरी मिठाई,
नदियों की कल-कल ध्वनि, वनों में वहार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

पक्षियों के गान में मस्ती कहाँ से आयी ?
मलयगिरि की मस्त सुगन्धि, पंचरंग पुष्प खिलायी,
वतावरण में चारों ओर, वसंत की वहार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

वृक्ष-लतायें सारीं, झूमने क्यों लगी हैं ?
सूर्य की किरणें भी, मनभावन होने लगी हैं,
इस धरा के कण-कण में, हरियाली की पुकार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

रात की मधुरता है, प्रात: की मधुरता है,
दिन की मधुरता मादक, लाल टेसुओं का वाग है,
सरसों के फूल उभरे, गुलाबों की वहार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

ऋतुराज वसंत का आ, मिल स्वागत करते हैं,
भौरों के गान-गूँजन, अब मन बहलाते हैं,
सरस्वती-वेद-वीणा, अब उमेश की पुकार है ।
हवा में सुगन्धि घुलती, मन हर्ष वेसुमार है ॥

Republic Day of India
Celebrated on 27th January 2019

We celebrated the 70th Republic Day of India in our new building at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, which is our Headquarters now. The Event was well attended and enjoyed by all.

Republic Day of India has been celebrated in style every year at Raj Path, New Delhi on 26th January since 1950 when the Indian Self-Governing Constitution first came into force. We Arya Samajis give this day a great deal of importance as it reminds us of the first step taken by our founder Maharishi Dayanand Saraswati who planted the seed of "SWARAJ" (self-rule) in the minds of Indian people. For us the Republic Day of India therefore marks the outcome of that very first step.

Our Congregation meets every Sunday and all festivals and important events are celebrated on the Sunday following the calendar date of the event. This year we celebrated the Republic Day of India on 27th of January 2019 and I give below a brief account of the programme, participants and entertainment.

First of all and as is our normal procedure, a Sandhya Havan was performed by our learned Acharya Ji in the presence of approximately 80 people including Mr Joginder Pal Sethi and his wife Mrs Santosh Sethi who were Yajmans as well as sponsors for the day's Rishi Langar. Following the Havan, hoisting of the Indian National Flag was carried out by our Guest of Honour, Mr. Manohar Lal (CGI /Birmingham) in the company of Acharya Ji, Members of the Board of Trustees and members from our congregation who play a vital role in ensuring the events run smoothly. Everyone then joined in to sing our National Anthem.

Acharya Umesh Yadav Ji then explained the definition of 'Loktantra' according to Vedas. This was followed by Mrs. Renu Aggarwal

singing a beautiful, well known patriotic song. Mrs. Brij Bala Duggal then made a brief speech on the importance of this day, why it is celebrated and mentioned Dr. Bhim Rao Ambedkar's role in the forming of Indian Government's Constitution. Mrs. Chanchal Jain recited a poem which was enjoyed by everyone.

Miss Jigeesha Joshi (a young teenager) then added a sparkle to the celebrations by performing a fantastic Rajsthani Dance. This was greatly enjoyed by the audience who applauded her with joy. Mr. Atul Aggarwal read a poem as well as entertaining us with a touch of comedy. Mr. Dheeraj Joshi also from the CGI office, then gave a speech on the Vedic sanskriti and our Constitution. Mr. Dheeraj also talked about alternatives to employment at times when there is scarcity of available jobs. His speech was well received.

Another two poems were presented by Ms Madhu Sharma and the focus of these was on life in UK. Mr. Vijay Kumar also read two poems on the topic 'Role of common man in progress of India'. Mr. Manohar Lal (CGI) then gave a brief speech on 'Potential of Fiscal Development in the New India'. Vibha also gave a speech on the Constitution of India and the Principles of Arya Samaj.

Mr. Ravinder Renukunta thanked everyone for their contributions and participation and extended his thanks to all the volunteers/employees who work behind the scene to make our events successful. Another song from Renu Aggarwal was enjoyed by everyone then programme ended with Shanti Path and everyone enjoyed the delicious Rishi Langar provided by Mr. And Mrs. J.P Sethi.

Written by Mrs. Brij Bala Duggal
Trustee
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Mr Joginder Pal Sethi and Mrs Santosh Sethi Yajmans & sponsor for Rishi Langar.

Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -** https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/

News

Get Well Soon:

- Mr Vishwa Nath Bhandari, ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2001-2003 is recovering in Gracewell of Edgbaston Care Home, Speedwell Road, Edgbaston, Birmingham, B5 7PR and telephone number 0121 796 0796. We all wish him a speedy recovery.
- Mrs Deepika Datta is on waiting list for a kidney transplant. We wish her to get better soon.

Condolence:

- Arya Samaj condemns the terrorist attack in Kashmir (India) in which 40 Jawan of CRPF of India died. We pay our homage to them and pray to the Almighty to grant them the eternal peace and also the strength to all's family members to bear the time of sorrow. May the Gorvernment of India find any strong and proper solution to save the Jawans and nation. JAY HIND.
- Mrs Kiran Sethi & family – for the loss her beloved husband Mr G.C. Sethi on Saturday 16th February 2019. He was life member of Arya Samaj West Midlands, Birmingham. May God grant the departed soul eternal peace and give strength to the family - members, relatives and friends to bear the time of sorrow.

Congratulations:

- Mr. Fuldeep Ruonuska and family for naming ceremony havan at their home and for Grihpravesh with family, relatives and friends. Wishing them a happy & healthy life
- Mr. Umesh Sharma and Mrs Nishu Sharma for 45th birthday celebration havan at home with family, relatives and friends. Wishing them a happy & healthy life

Sponsors (Yajman):

- Dr. Amit, Sam, Anita Rastogi, Gareth and family for yajman on 03.02.2019 to pay tribute to their respected mother Late Dr. (Mrs.) Renu Rastogi on her death anniversary.
- Mr Vijay Kumar Harf and Mrs. Veena Devi & family for yajman on 10.02.2019 to celebrating Vasant Panchmi (arrival of spring).

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

Donations:

• Dr Amit Rastogi with Rishi Langar	£201
• Mr Vijay Kumar Harf with Rishi Langar	£171
• Mr Ved Prakash Rawal	£50

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

• Mr. Fuldeep Raonuska	£51
• Mr. Umesh Sharma	£51

Thank you for all your Donations!

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information on

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**

- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**

- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**

- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**

- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 7th April 2019 & 5th May.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org

New Building Refurbishment Fund

In month of February 2019 following people have donated...

NAME	DONATION
NEW DONATIONS:-	
Mr Ramanbhai Parmar	**£25**

TOTAL SO FAR - £57217.15

Thank you!

Haven't Donated Yet ????

Those of you who would like to donate money to "Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands" New building fund please do so now!!!

Your help is highly appreciated.

By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands' and send back to us at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR
or
Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number – 65839135
Sort Code – 08.92.99

YOGA CLASSES

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands YOGA and MEDITATION Lessons for young children.

Where: - Arya Samaj (Vedic Mission) 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

When: - Every Tuesday – Starting on Tueday 3rd July 2018.

Time: - 5pm – 6pm.

Our learned, trained and qualified Yoga teacher Acharya Dr. Umesh Yadav ji will provide these lessons.

Parents and grandparents with young children who would like some more information about these sessions please get in touch with our Arya Samaj by phoning on 0121 3597727 or email on enquiries@arya-samaj.org.

INDIAN CLASSICAL DANCE

WE ARE VERY SOON GOING TO START INDIAN CLASSICAL DANCE LESSONS BY A QUALIFIED INDIAN TEACHER AT OUR ARYA SAMAJ PREMISES.

THOSE OF YOU WHO ARE INTERESTED PLEASE PHONE OR EMAIL TO US TO REGISTER YOURSELF.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org